

सम्पादकीय

‘इंडिया’ तीसरे मोर्चे की ओर

विषय के ‘इंडिया’ गठबंधन में अजीब विरोधाभास है। उपराष्ट्रीय जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नेटिस पर ‘इंडिया’ के लगभग सभी प्रमुख घटक-दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। उन दलों के करीब 70 राज्यसभा संसदों में नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव ‘प्रतिक्रिया’ साथी होगा, क्योंकि उच्च सदन में ही कमोर्बेश 119 संसदों का समर्थन अनिवार्य है। यदि राज्यसभा में प्रस्ताव पारित हो तो जाता है, तो लोकसभा में भी उसकी पुष्टि संवैधानिक तरीफ पर अनिवार्य है। लोकसभा में ‘इंडिया’ के 234 संसदों ही हैं, जबकि सामाज्य बहुपक्ष के लिए कमोर्बेश 272 संसदों का समर्थन अपेक्षित है। यह 234 का आंकड़ा तभी संभव है, जब ‘इंडिया’ एक-जुट रहे, लेकिन उसके विवरण के कारण कई हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमुखी कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को सौंपा जाए। इलाहाकि बंगाल के बाहर ममता बनर्जी ‘राजनीतिक शूरू’ है, लेकिन कांग्रेस-विपक्षी नेताओं का मानना है कि यदि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का नेतृत्व करती है, तो वह एक निश्चित विचार और राजनीति दे सकती है। कांग्रेस और नेता प्रतिक्रिया राहुल गांधी यह भूमिका निभाने में नाकाम रहे हैं। राज्यसभा में भी नेता प्रतिक्रिया खड़े कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन कांग्रेस के दोनों ही नेता संसद के भीतर की राजनीति तय करने और समूचे विपक्ष का विश्वास करने की अपेक्षा अधिक राजनीतिक विचारों की राजनीति के खिलाफ है। सालुक मार्गी 2014 से ही कई ही मुद्दे से विपक्ष है।

कांग्रेस लगतार तीन लोकसभा चुनाव हारी है और अधिकतर विधानसभा चुनावों में भी विपक्ष को बाहर छेलीना पड़ी है। इस सोच के विकासी नेता याद दिलाते हैं कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री-काल के दौरान वीपी सिंह ‘बोफोर्स’ तोप संदर्भ घोटाले के ही उत्तरे रहे। हालांकि तब उन्हें ‘राष्ट्रीय मोर्चे’ और ‘वाममोर्चे’ का समर्थन हासिल था। भाजपा भी समर्थन दे रही थी। उस राष्ट्रीय राजनीतिक अधिकार के बावजूद कांग्रेस लोकसभा में संभसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। यह दीपर तो ही राजीव गांधी की सरकार बनाने के क्षेत्र में थे। नीतीजन वीपी संघ प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनका कांग्रेस एक साथ सभी को समर्थन कर रहा। फिर चदरशीखर वर्मा 4 माह के प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति ने उन्हें अम चुनाव तक ‘कार्यालयक प्रधानमंत्री’ बनाए रखा। ‘इंडिया’ गठबंधन की नियति 1996 के तीसरे मोर्चे (संयुक्त मोर्चा) की ओर बढ़ी लग रही है। हालांकि उस दौर के देवघोड़ी, नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, देवीलाल (अब चौटाला का विभाजित परिवार), प्रकाश सिंह बदल (अब दिवंगी) संरीखे कोहावर नेताओं के दल या तो भाजपा नेतृत्व के एकीड़ी में हैं अथवा राजनीतिक तौर पर अग्रसरिक हो चुके हैं। 1996 के दौर में ही जो तकत वामपक्षों की थी, वह अज क्षीण हो रही है। बालाक के दुर्ग पर मई, 2011 से ममता बनर्जी का संवैधानिक कब्जा है। तीसरे मोर्चे की संभावनाएं इस्लिए जारी हैं, क्योंकि ‘इंडिया’ में सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, एनसीपी (शरद), शिवसेना (उद्धव) आदि घटक दल ‘कांग्रेसीन राजनीति’ के पक्षधर हैं अथवा बनते जा रहे हैं। अम आदमी पार्टी (अप) भी कांग्रेस-विरोधी मानसिकता में है। इंडिया में विधानसभा चुनाव करी ही है। ‘अप’ और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि ‘एप’ फैक्टर की राजनीति के लिए एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

आरथा कानून से ऊपर है!

मोदी सरकार आस्था और चुनावी देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।



के. विक्रम राठ

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए। इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े हैं। यह कैसा गठबंधन है कि संयुक्त मोर्चा की ओर दोनों संसदों के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि एक-जुट होने का ढांग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग कांग्रेस के साथ स्वरूप ही प्रमुख पार्टी है। संपोर्टी, संपोर्टम कांग्रेस के साथ भी ही है, लेकिन केल जैसे सरज में उसके ‘प्रतिक्रिया दल’ भी है। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मैत्रीय की जरूरत है।

देने के बाद निधन हो जाने की कृच्छरी के बीच उड़ा गई है। यदि अगले दिनों बाद इंशु फिर जीवित हो गए।

गुबार (12 दिसंबर 2024) को इसी भावी कानून से ऊपर होने के खिलाफ कांग्रेस खड़े ह

शिक्षा और संस्कारों से मिलती है तरकी: कोविंद

पर्यावरण में बालिका शिक्षा का नया अध्याय: सर्वोदय बालिका विद्यालय का शिलान्यास

- सर्वोदय विद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति ने लगाई संस्कारों की पाठ्याला
- दो साल में पूरा होगा सर्वोदय विद्यालय का निर्माण कार्य, वर्ष 2027 में शुरू होगा नया शिक्षा सम्बन्धीय विद्यालयों में स्मार्ट वकाल, ई-लैब, टेब-लैब, और लाइब्रेरी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।



अवधानामा ब्लूरो

लखनऊ। कानपुर देहात जिले के पर्यावरण गांव में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल हुई। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के पैरुंग गांव में सर्वोदय विद्यालय का शिलान्यास किया गया। इस कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत में बेटियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा का नया अध्याय सुरू किया।

सर्वोदय विद्यालय बालिका का शिलान्यास करने के बाकी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बारे मुख्य अधिकारी पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि गांव की बेटियां 5वीं कक्ष के आगे पढ़ने में असहज महसूस करती हैं क्योंकि आगे पढ़ने के लिए उन्हें दूषरे गांव या घर से दूर जाना पड़ता है, सर्वोदय विद्यालय के बन जाने से बेटियों निर्द द्वारा कोरकर आगे की पढ़ाई कर सकती हैं। संस्कारों की अहमत पर ऊंचे देखते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा और संस्कार आपको जीवन से उत्कर आसानी पर ले जा सकते हैं। मेनहन और ईमानदारी से चलेंगे तो आप जीवन में तरकी करेंगे। कोविंद ने कहा कि राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने खल सेना प्रमुख जनरल विप्रिण गवर्नर से कहा कि वह किसी से कम नहीं है।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण
यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा। आधिकारिक सुविधाओं से सुरक्षित वर्ष विद्यालय, स्मार्ट क्लास, ई-लैब, टेब-लैब, और लाइब्रेरी जैसी तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी। इसके अलावा, जीई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के एवरीसी के माध्यम से डिफेंस और पुलिस फोर्स के लिए उम्मीद कोविंद भी दी जाएगी। शिक्षाओं के एवरीसी के माध्यम से डिफेंस और पुलिस फोर्स के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार का बड़ा कदम
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की यह पहल ग्रामीण बालिकाओं को गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में मौजूद का पथर सावित हो गया। इस अवसर पर उपरित्थ गणराज्य अधिकारी ने कहा, यह विद्यालय न केवल कानपुर देहात बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

गांव देखने आए सावनी ढोलिकिया
जलसंचयन करके कई नदियों, पोरोंगों और जलश्रोतों को पुर्जियित करने वाले सूरत गुजरात के साथ जी ढोलिकिया भी अब उपरित्थ रहा। परोंगों गांव में जल संचयन की सभावानां तलाशन आरे थे, उन्होंने गांव के दो तालाबों के जल संचयन और संरक्षण के लिये बचत किया है। पूर्व राष्ट्रपति ने उनके काम की तारीफ करते हुए कहा कि इन्होंने गुजरात की बरसाती नदी की जानी वाली नदी में बेंड डेवलपर उसे जल से लबालब कर दिया। इस प्रकार के कई जलसंरक्षण के कार्य कानपुर ने किया है।

आठ लोगों को मिले वृद्धावस्था पैशंस प्रमाण पत्र
शिलान्यास कार्यक्रम के दोरान परोंगों गांव के आठ लोगों को वृद्धावस्था पैशंस के प्रमाणपत्र पूर्व राष्ट्रपति द्वारा दिये गये। प्रमाण पत्र पावे लालों में परोंगों गांव के लजाराम, महेंद्र कुमार, सुखबन्दर, शीला, कर्णपीरी, सिंह, शम्य और अवधें रिंग और नरेंद्र दिंग शामिल हैं।

पूर्व राष्ट्रपति की प्रेरणा से नई पहल

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ग्रामीण विकास और शिक्षा के प्रति गहरी निश्चय के परिणामस्वरूप यह विद्यालय में जड़, आर्टिफिशियल इंटरेक्शन, और एक्यूटेंशन के लिए मूल्यवान विद्यालय का निर्माण हो गया। इस अवसर पर उपरित्थ गणराज्य के विद्यालय के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

शामी बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।

ग्रामीण बालिकाओं के लिए उम्मीद की किरण

यह विद्यालय बालिकाओं को कक्ष 6 से 12 तक विद्यालय का शिक्षा प्रदान करेगा।